देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 91 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...क्यों अधीर हैं क्षेत्रीय दल

पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 7 जुलाई 2021

मौसम अधिकतम 35.0° न्यूनतम 25.0°

40341.40 | 2 भारत पर लगाया आतंकवाद का आरोप | 7 मिताली बनीं दुनिया की नंबर एक बल्लेबाज

बदले गए 8 राज्यों के राज्यपाल

राष्ट्रपति ने थावरचंद गहलोत को नियुक्ति किया कर्नाटक का राज्यपाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अटकलों को धता बताने और अपने फैसलों से अक्सर चौंकाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार से ठीक पहले ऐसा फैसला किया है जिसमें उनकी यही छवि देखी जा सकती है। मंगलवार को राष्ट्रपति भवन से जारी आदेश में आठ राज्यों में नए राज्यपाल की नियुक्ति की गई है। इनमें सबसे चौंकाने वाला नाम केंद्रीय मंत्री थावर चंद गहलोत का है। बीजेपी के कद्दावर दलित चेहरा थावर चंद गहलोत कर्नाटक के राज्यपाल बनाए गए हैं।

ध्यान रहे कि राष्ट्रपति व्यावहारिक तौर पर प्रधानमंत्री की सलाह पर ही किसी राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति करते हैं। कहा जा रहा है कि पीएम ने गहलोत को गवर्नर बनाकर एक तीर से चार निशाने साध लिए हैं जिसका असर राज्यसभा, केंद्रीय मंत्रिमंडल, बीजेपी संगठन और कर्नाटक की राजनीति पर होगा।

इसके अलावा, विशाखापत्तनम से 16 वीं लोकसभा के सांसद हरि बाबू कंभमपति को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। गुजरात भारतीय जनता पार्टी के नेता मंगूभाई छगनभाई पटेल को मध्य प्रदेश का राज्यपाल के रूप में और गोवा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि ये सभी नियुक्तियां उनके संबंधित कार्यालयों का प्रभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होंगी।

वहीं, राष्ट्रपति ने कुछ राज्यपालों की नियुक्ति के साथ ही कुछ अन्य के विभागों में बदलाव को मंजूरी दी है। मिजोरम के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई को गोवा का राज्यपाल बनाया गया है, जबकि हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य को त्रिपुरा के राज्यपाल, त्रिपुरा के राज्यपाल रमेश बैस को झारखंड के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को हरियाणा के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है।

कभी राष्ट्रपति पद के लिए हुई थी गहलोत के नाम की चर्चा

मोदी-शाह की जोड़ी वाली बीजेपी में थावर चंद गहलोत की कद का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राष्ट्रपति पद के लिए जब किसी दलित चेहरे की तलाश हो रही थी तब थावर चंद गहलोत के नाम की भी चर्चा चली थी। हालांकि, अंतिम रूप से मुहर रामनाथ कोविंद के नाम पर लगा था। गहलोत को ही संसद के उच्च सदन का नेता बनाया गया।

पीएम मोदी ने फिर फेंक दी गुगली

पीएम मोदी का ताजा फैसला इसलिए चौंकाने वाला माना जा रहा है क्योंकि एक तरफ कैबिनेट एक्सपेंशन की बात हो रही है तो दूसरी तरफ गहलोत जैसे बड़े चेहरे की मंत्रिमंडल से छुट्टी कर दी गई है। तो क्या उनकी जगह किसी और दलित चेहरे की खोज की जा चुकी है? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि गहलोत उन शख्सियतों में शामिल नहीं हैं जो विवादों के कारण चर्चा में रहे हों। कैबिनेट मिनिस्टर के रूप में उनका रिपोर्ट कार्ड भी अच्छा है। इसी कारण से मोदी ने उन्हें दुबारा अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया था। गहलोत ने समाज कल्याण एवं अधिकारिता मंत्री के तौर पर पिछड़े और वंचित तबकों एवं दिव्यांगों के लिए कई योजनाएं लेकर आए। उन्हें पीएम मोदी का काफी करीबी माना जाता है।

मजदूर से मंत्री तक का सफर

गहलोत की राजनीतिक परवरिश का ही नतीजा है कि उनकी शख्सियत में विनम्रता और सख्ती का संतुलित समिश्रण आ गया है। 18 मई, 1948 में मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित नागदा तहसील के गांव रुपेटा में पैदा हुए थावर चंद गहलोत ने स्थानीय विक्रम यूनिवर्सिटी से शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने 1965-70 में ग्रासिम इंडस्ट्रीज में मजदूरी की और फिर ग्रासिम इंजीनियरिंग श्रमिक संघ के खजांची बन गए। 1967 से 75 तक वो भारतीय मजदूर संघ से जुड़े केमिकल श्रमिक संघ के सचिव बने। उन्होंने उज्जैन में कई श्रमिक आंदोलनों की अगुआई की। उन्होंने 1962 से 77 के बीच तब के भारतीय जनसंघ के सदस्य रहे और फिर उज्जैन जिले में जनता पार्टी के उपाध्यक्ष और महासचिव बनाए गए।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह को दिल का दौरा, हालत नाजुक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) शिमला। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और हिमाचल प्रदेश के छह बार मुख्यमंत्री रह चुके वीरभद्र सिंह को दिल का दौरा पड़ने के बाद इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (आईजीएमसीएच) की कार्डियक केयर यूनिट में भेज दिया गया है। डॉक्टरों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईजीएमसीएच के सीनियर मेडिकल सुपरिटेंडेंट जनक राज ने पत्रकारों को बताया कि 87 साल के वीरभद्र सिंह की हालत नाजुक लेकिन स्थिर है।

बीते 24 घंटे में 34 हजार 703 केस मिले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत में कोरोना के मामलों में गिरावट जारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी मंगलवार सुबह आठ बजे जारी आंकड़े के अनुसार बीते 24 घंटे में कोरोना के 34 हजार 703 मामले सामने आए हैं और 553 लोगों की मौत हुई। वहीं 51 हजार 864 मरीज ठीक हुए।

लोग नहीं कर रहे कोरोना प्रोटोकॉल का पालन, बाज आएं, नहीं तो...

मनाली, मसूरी, दिल्ली, मुंबई की 6 तस्वीरें दिखा सरकार ने किया आगाह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोरोना को लेकर सरकार ने लोगों को आगाह किया है। उसने कहा है कि जिस तरह से लोग बिना किसी सावधानी के मौज-मस्ती करने के लिए हिल स्टेशनों पर निकल पड़े हैं, वह कतई सही नहीं है। वे न तो सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं और न ही मास्क लगा रहे हैं। बाजारों में दोबारा भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई है। यह बेहद खतरनाक है।

स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने मनाली (हिमाचल प्रदेश), मसूरी (उत्तराखंड), सदर बाजार (दिल्ली), शिमला (हिमाचल प्रदेश), लक्ष्मी नगर (दिल्ली), दादर मार्केट की तस्वीरें दिखाईं। यहां बाजारों में भारी भीड़ दिख रही है। कहीं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर बेशक नरम पड़ी है, लेकिन अभी लोगों को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते रहना है। हिल स्टेशनों की यात्रा करने वाले लोग लापरवाही कर रहे हैं। वे कोविड एप्रोप्रिएट बिहेवियर का पालन नहीं कर रहे हैं। अगर प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया गया तो प्रतिबंधों में ढील फिर रद्द हो सकती है।

स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है। देश देख चुका है कि कैसे यह वायरस फैलता है। अगर लापरवाही बरती गई तो अब तक मिली सफलता पर पानी फिर जाएगा।

देश में कोरोना के नए मामलों में कमी आई है। पॉजिटिविटी रेट भी घट रहा है। देश में पिछले 9 दिन से लगातार 50,000 से कम मामले रिपोर्ट हो रहे हैं।

एक्टिव केस 5 लाख से कम

अग्रवाल ने कहा कि एक्टिव केस 5 लाख से कम हैं। कोरोना के मामलों में 30 फीसदी की कमी आई है। जबकि महाराष्ट्र, तमिलनाडु, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम जैसे राज्यों में 10 फीसदी से अधिक के पॉजिटिविटी रेट के साथ अधिक मामले सामने आ रहे हैं। देश में अभी भी कुछ जिले ऐसे हैं, जहां पॉजिटिविटी रेट 10 फीसदी से ज्यादा है। इनमें मुख्य रूप से अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, मणिपुर, केरल, मेघालय, त्रिपुरा, सिक्किम, ओडिशा, नागालैंड में पॉजिटिविटी ज्यादा है।

पुरी के अलावा कहीं नहीं निकलेगी जगन्नाथ की रथयात्रा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका खारिज कर दिया जिसमें जगन्नाथ पुरी के अलावा अन्य स्थानों पर रथ यात्रा निकालने की इजाजत मांगी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि वह राज्यों के डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के तहत पारित आदेशों में दखल नहीं देगा।

चीफ जस्टिस एनवी रमना की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि माफी चाहते हैं, लेकिन हम डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट के तहत जारी आदेश में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें भी ये बुरा लग रहा है, लेकिन हम दखल नहीं देंगे। उड़ीसा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। इस बार 12 जुलाई से यात्रा होनी है। गौरतलब है कि कोविड के मद्देनजर राज्य सरकार ने सिर्फ पुरी में रथा यात्रा निकालने की इजाजत दी है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमना की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि हमें भी बुरा लग रहा है, लेकिन इस मामले में कुछ नहीं किया जा सकता है। उम्मीद करते हैं कि अगले साल भगवान रथयात्रा की इजाजत देंगे। कोविड की स्थिति को देखते हुए अर्जी खारिज कर दी गई।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कहा कि वह भी रथयात्रा में पुरी जाना चाहते हैं लेकिन देशभर में पब्लिक हेल्थ की जो स्थिति है, उसके मद्देनजर उन्होंने फैसला किया है कि वह घर से ही पूजा करेंगे। पिछले डेढ़ साल से वह जाना चाहते थे लेकिन वह घर पर ही पूजा करेंगे।

कोविड के मद्देनजर रथयात्रा को सीमित कर दिया गया है। उड़ीसा हाई कोर्ट से अर्जी खारिज होने केबाद मामला सुप्रीम कोर्ट से सामने आया था।

आदेश

■सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

देश में तेजी से किया जा रहा है टीकाकरण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में अभी भी कुछ जिले ऐसे हैं, जहां कोरोना के मामलों का पॉजिटिविटी रेट 10 फीसद से ज्यादा है। मुख्यतरू अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, मणिपुर, केरल, मेघालय, त्रिपुरा, सिक्किम, ओडिशा, नागालैंड में पॉजिटिविटी रेट ज्यादा है। कुछ जिलों में अधिक संक्रमण देखा जाए तो हमें ये मानकर चलना पड़ेगा कि कुछ इलाकों में अभी भी कोरोना दूसरी लहर है।

वहीं, देश में चलाए जा रहे टीकाकरण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हेल्थकेयर वर्कस के 87.5 फीसद लोगों में टीके की पहली डोज लगाई जा चुकी है। कोवैक्सिन के बूस्टर पर आइसीएमआर के डीजी डॉक्टर बलराम भार्गव ने बताया कि यह अभी शोध का विषय है।

बूस्टर की प्रभावकारिता अभी तक ज्ञात नहीं है। एक रोज पहले सोमवार को सोलन जिले के अर्की के मौजूदा विधायक ने वीरभद्र सिंह के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए आईजीएमसीएच का दौरा किया था।

89.4 फीसद फ्रंटलाइन वर्कर्स को दी गई टीके की दूसरी डोज